भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2874
दिनांक 12 दिसंबर, 2024

पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण

†2874. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद:
श्री के. गोपीनाथ:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार अन्य देशों से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने और अवसंरचना विकास परियोजनाओं के लिए भारत की विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पेट्रोल में इथेनॉल सम्मिश्रण का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बाजार में विक्रय किए जाने के दिशा-निर्देशों का ब्यौरा क्या है और किसी विशेष वर्ष में बचाई जा सकने वाली देश की विदेशी मुद्रा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): सरकार, आयात निर्भरता को कम करने, विदेशी विनिमय में बचत तथा संबद्ध पर्यावरणीय लाभों के लिए घरेलू कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करने सहित विभिन्न उद्देश्यों के साथ एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। विगत 10 वर्षों के दौरान (दिनांक 30.09.2024 की स्थिति के अनुसार) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप 1,08,655 करोड़ रुपए से भी अधिक की अनुमानित विदेशी विनिमय की बचत हुई है तथा लगभग 185 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का विस्थापन हुआ है।

(ग): अंतर मंत्रालयी समिति द्वारा तैयार की गई भारत में एथेनॉल मिश्रण के लिए रूपरेखा (रोडमैप) 2020-25 में एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2020-21 से ईएसवाई 2025-26 हेतु औसत एथेनॉल मिश्रण लक्ष्यों को अनुमानित किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसीज ने ईएसवाई 2021-2022 के दौरान जून, 2022 में अर्थात लक्ष्य अवधि से पांच माह पहले ही पेट्रोल में 10% एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को हासिल कर लिया। इसके बाद, एथेनॉल का मिश्रण ईएसवाई 2022-23 में 12.06% तक तथा ईएसवाई 2023-24 के दौरान लगभग 14.6% तक बढ़ गया है। रोडमैप के अनुसार, एक सफल ई-20 कार्यक्रम देश में प्रति वर्ष 4 बिलियन अमरिकी डॉलर (यूएसडी) की बचत कर सकता है।

***